|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Sameer Dhume	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	20 / 10 / 1982	TIME OF BIRTH :	06:01:00 AM
CITY :	Wani, Dist Yavatmal	STATE :	Maharashtra
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Gemstone Suggestion
QUESTION(S) :	----------		
Mobile No. : 9168790075	Email ID : sam9673870724@gmail.com		
ORDER ID : #1058	PAYMENT ID : 250404137	AMOUNT : ₹299	
Order Date : 04/06/2019	Delivery Date : 08/06/2019		

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	कन्या
चंद्र राशि :	वृश्चिक
ईष्ट देव :	लक्ष्मी जी, सरस्वती जी

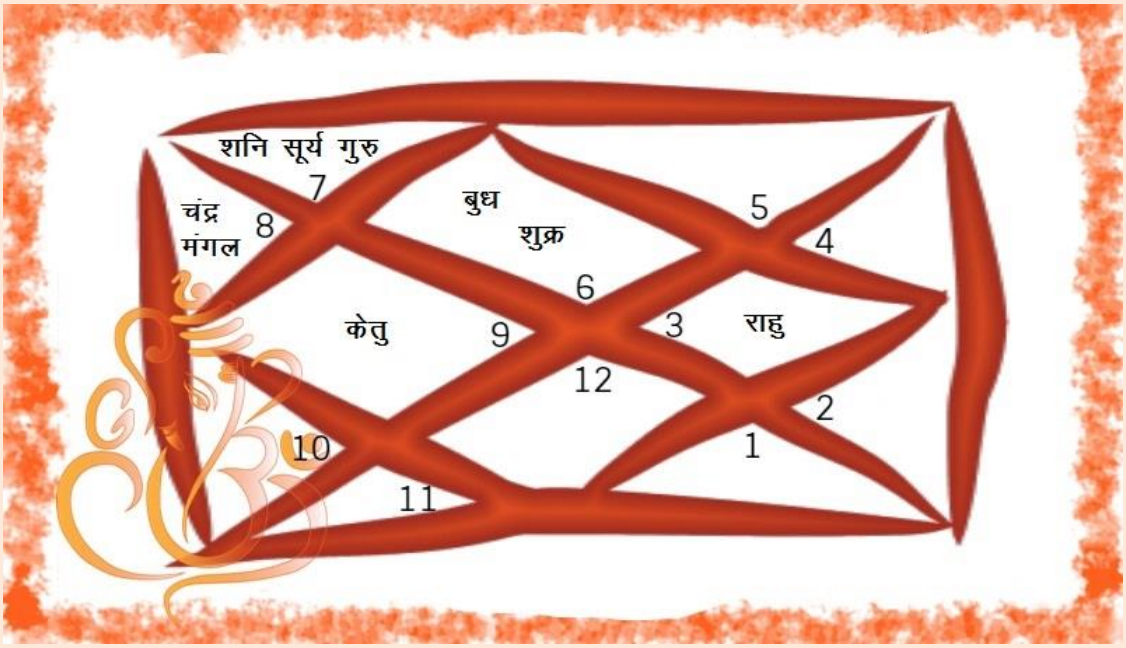

ॐ श्री गणेशाय नमः

रत्न परामर्श कुंडली फलादेश :

श्रीमान समीर धुमे जी आपकी कुंडली में लग्नेश बुध ग्रह है जो अपनी स्वराशि में स्थित है व अत्यंत प्रभावकारी है | अतः लग्नेश बुध का रत्न पन्ना धारण करने का आपको सुझाव दिया जाता है | यह आपके कार्यक्षेत्र में आ रही बाधाओं विघ्नो को दूर करेगा व कार्यक्षेत्र में शुभता की वृद्धि करेगा | कार्य में सिद्धि व कुशलता प्रदान करेगा व स्वास्थय में भी वृद्धि करेगा | पारिवारिक जीवन में शांति व प्रांगणता बढ़ाएगा | धन धान्य में वृद्धि करेगा | कर्मों में सफलता दिलाएगा |

वर्तमान में आपकी कुंडली शनि साढ़े साती (तृतीय ढैया) के गोचर प्रभाव में चल रही है | शनि का यह गोचर 24-01-2020 को समाप्त होगा | साढ़े साती के कारण आपको मानसिक अशांति बानी रहेगी | अधिक श्रम व संघर्ष से ही सफलता प्राप्त होगी | कुटुंब में हानि भी संभव है | प्रभाव सम करने हेतु आप नीलम रत्न धारण करें | शनि आपके धन व कुटुंब भाव में मित्र ग्रह शुक्र की राशि में स्थित है जो अच्छा प्रभाव देगा किन्तु द्वितीय भाव में शनि ग्रह के साथ उसके शत्रु ग्रह सूर्य व बृहस्पति भी स्थित हैं जो शनि के अच्छे प्रभाव को घटा रहे हैं | आपकी कुंडली में शनि अस्त है | अतः आपको शनि ग्रह का प्रतिनिधि रत्न नीलम धारण करने का सुझाव दिया जाता है | साढ़े साती के दुष्प्रभावों में भी नीलम धारण करने से ह्रास होगा | यदि आप पीताम्बारी नीलम धारण करें तो आपके लिए अधिक लाभकारी सिद्ध रहेगा | इसमें नीलम रत्न कुछ पीली आभा लिए होता है | यह रत्न नीलम से अधिक मूल्यवान होता है | पीताम्बारी नीलम में शनि व बृहस्पति दोनों का प्रभाव होता है जो आपके लिए अधिक लाभकारी रहेगा |

वर्तमान में आपकी कुंडली अनुसार शुक्र ग्रह की महादशा चल रही है | कुंडली में भाग्य भाव का ग्रह भी शुक्र ही है | कुंडली में शुक्र ग्रह अस्त है जिस कारण इसके फल आपको नहीं मिल पा रहे हैं | अतः भाग्य भाव को सामर्थ्य प्रदान करना होगा जिससे आपको भाग्य का कुछ साथ प्राप्त हो सके | इसके लिए आपको भाग्य भाव के स्वामी ग्रह अर्थात शुक्र ग्रह का रत्न हीरा धारण करना सर्वथा उपयुक्त रहेगा | हीरे के आभाव में आप इसके उपरत्न सफ़ेद जिरकॉन, सफ़ेद टोपाज़, स्फटिक भी धारण कर सकते हैं उपरत्न बड़े आकार के धारण करने चाहिए |

नोट :- आपकी कुंडली अनुसार शुक्र ग्रह की महादशा 24.09.2037 को समाप्त होगी | शुक्र की महादशा समाप्त होने के पश्चात आप यह सब रत्न उतार दें व केवल मूंगा रत्न धारण करें | आपकी कुंडली में मंगल ग्रह अत्यंत बली है |

विशेष उपाय :-

- अधिक से अधिक स्वर्ण धारण करें |
- शिवजी पर दूध जल नियमित रूप से चढ़ाएं |
- हनुमान जी की आराधना करें |
- परस्त्री गमन, मांसाहार व मदिरापान का सम्पूर्ण रूप से त्याग करें |

रत्न निर्धारण :-

आपके प्रश्न के अनुसार आपको पन्ना, नीलम व हीरा रत्न धारण करने का परामर्श किया जाता है |

पन्ना रत्न धारण विधि :

बुध ग्रह का प्रतिनिधि रत्न पन्ना अथवा एमराल्ड को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का पन्ना धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल पन्ना स्वर्ण अथवा चाँदी की अंगूठी में जड़वाएं | मान लीजिये आपका वजन 70 किलो ग्राम है तब आपको सवा सात रत्ती का पन्ना रत्न धारण करना उपयुक्त रहेगा | किसी भी शुक्ल पक्ष के बुधवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती बुध देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बुध देव मै आपका आशीर्वाद (अथवा जो भी मनोकामना हो बोलें) प्राप्त करने हेतु आपका प्रतिनिधि रत्न पन्ना धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर 108 बारी अगरबत्ती के ऊपर से घुमाते हुए "ऊँ बुं बुधाय नमः" मंत्र का जाप करे तत्पश्चात अंगूठी को विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर कनिष्ठ अंगुली में धारण करें | पन्ना धारण करने के 30 दिनों में प्रभाव देना आरम्भ कर देता है | निरंतर लाभ प्राप्ति हेतु, प्रत्येक तीन वर्षों के अंतराल के पश्चात इसका उक्त विधि द्वारा शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करते रहें |

नीलम रत्न धारण विधि :-

शनि ग्रह का प्रतिनिधि रत्न नीलम अथवा ब्लू सफायर को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का नीलम रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल नीलम चांदी की अंगूठी में जड़वाएं | मान लीजिये आपका वजन 70 किलो ग्राम है तब आपको सवा सात रत्ती का नीलम रत्न धारण करना उपयुक्त रहेगा | किसी शुक्ल पक्ष के प्रथम शनिवार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी की प्राण प्रतिष्ठा करें | इसके लिए अंगूठी को सबसे पहले पंचामृत अर्थात गंगा जल, दूध, घी, केसर एवं शहद के घोल में 15 से 20 मिनट तक डाल के रखें, तत्पश्चात स्नान के पश्चात किसी भी मंदिर में शनि देव के नाम 5 अगरबत्ती जलाये, अब अंगूठी को घोल से निकाल कर गंगा जल से धो ले, अंगूठी को धोने के पश्चात उसे 11 बारी "ॐ शं शानिश्चार्ये नमः" मन्त्र का जाप करते हुए अगरबत्ती के उपर से घुमाये, तत्पश्चात अंगूठी को शिव के चरणों में रख दे एवं प्रार्थना करे कि "हे शनि देव में आपका आशीर्वाद (अथवा जो भी मनोकामना हो बोलें) प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा हूँ कृपा कर मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे" तत्पश्चात अंगूठी को शिव जी के चरणों से स्पर्श कराएं व मध्यमा ऊँगली में धारण कर लें |

हीरा रत्न धारण विधि :-

हीरा शुक्र ग्रह का प्रतिनिधि रत्न है | हीरे को चाँदी अथवा प्लैटिनम की अंगूठी में जड़वाकर शुक्ल पक्ष के शुक्रवार के दिन, सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती शुक्रदेव के नाम जलाये और प्रार्थना करे कि हे शुक्र देव मै आपका आशीर्वाद (जो भी मनोकामना हो बोलें) प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न, हीरा धारण कर रहा हूँ, कृपया करके मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकाल कर "ॐ शं शुक्राय नमः" मंत्र के 108 जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उप्पर से 108 बार घुमाए व अंगूठी को लक्ष्मीजी के चरणों से लगाकर अनामिका ऊँगली में धारण करें | हीरा अपना प्रभाव 25 दिन में देना आरम्भ कर देता है | हीरा अत्यंत महंगा रत्न है अतः हम इसके साइज का उल्लेख नहीं कर रहे हैं | जातक स्वमं अपनी सामर्थ्य अनुसार चुनाव करते हुए खरीदें | किन्तु ध्यान रहे हीरा उत्तम क्वालिटी का होना चाहिए | हीरे की परख 4 C- (कलर, कट, क्लियरिटी व कैरेट) के आधार पर होती है | अतः उच्च क्वालिटी का लैब द्वारा सर्टिफाइड हीरा, किसी विश्वसनीय जौहरी अथवा रत्न केंद्र से ही खरीदें |

नोट :- रत्न अच्छी क्वालिटी का व दोषमुक्त ही धारण करना उत्तम फलदाई होता है | दोषयुक्त व नकली रत्न विपरीत प्रभाव भी दे देते हैं | रत्न समय के साथ धीरे-धीरे व एक-एक कर धारण करते रहें | तुरंत धारण आवश्यक नहीं है, क्यूंकि यह कॉस्टली होते हैं | रत्न विश्वासपात्र व्यक्ति अथवा विश्वसनीय स्थान से ही खरीदें|

ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

———————————